

अस्पताल से दोपहिया चुरा ली
गोंदिया-गोरेगांव थानांतर्गत ग्राम कटगी निवासी फरियादी उमेश गेंदलाल अग्रेल (40) ने अपनी पुरानी दोपहिया ग्रामीण अस्पताल गोरेगांव के सामने रखी थी। इस दौरान किसी ने वाहन पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी कीमत 30 हजार रुपए बताई गई है। फरियादी ने अपने वाहन की काफी खोजबीन की लेकिन उसे उसका वाहन दिखाई नहीं दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर गोरेगांव पुलिस ने भादवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया है।

साप्ताहिक

बुलंदगोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : अभिषेक चौहान | संपादक : नवीन अग्रवाल

E-mail : bulandgondia@gmail.com | E-paper : bulandgondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | R. No.: MAH-HIN-10169



वर्ष : 3 | अंक : 41

गोंदिया : गुरुवार, दि. 18 मई से 24 मई 2023

पृष्ठ : 4 मूल्य : ₹. 5

सरकार आपके द्वार अभियान और होगा व्यापक - मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

बुलंद गोंदिया-सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए शासन आपल्या दारी अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सतारा जिले के दौलतनगर (मर्ली) में किया। मुख्यमंत्री शिंदे ने इस अवसर पर कहा कि नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए इस अभियान को और व्यापक बनाया जायेगा। दौलतनगर स्थित श्रीमती विजयदेवी देसाई कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स में आयोजित कार्यक्रम में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, फलोत्पादन मंत्री संदीपान भुमरे, उद्योगमंत्री उदय सामंत, राज्य उत्पादन शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई आदी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को सरकारी दफ्तर जाना पड़ता है। ऐसे में कई लोग योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। इन योजनाओं को जनता तक आसानी से पहुंचाने के लिए शासन आपल्या दारी अभियान शुरू किया गया है। इसका लाभ बड़ी संख्या में नागरिकों को दिया जा रहा है। पहली बार लोक लाडकी जैसी योजना शुरू की गई है। महिलाओं को एसटी बस यात्रा किराए में रियायत दी गई है। चूंकि ये योजनाएं आम नागरिकों के जीवन में बदलाव लाती हैं, इसलिए उनका लाभ देने के लिए सरकार उनके दरवाजे पर आई है। प्रशासन नागरिकों तक पहुंचे तो लोगों की समस्याओं को जाना जा सकता है। शिंदे ने कहा, सरकार ने आम आदमी के हित में



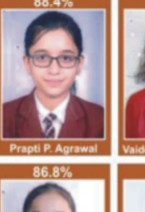
लगातार फैसले लिए हैं। कैबिनेट की बैठक में 300 से ज्यादा अहम फैसले लिए गए जबकि कई लंबित मुद्दों का समाधान किया गया। किसानों और मजदूरों के हित में फैसले लिए गए। बहुत कम समय में 29 सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। संकट के समय किसानों को राहत देने के लिए एनडीआरएफ के मानक से दोगुनी सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया। नमो शेतकरी योजना के माध्यम से किसानों को बजट में छह हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार को लेकर एक धारणा बना दी गई है कि आम आदमी भी मुख्यमंत्री से मिलना चाहता है। सरकार ने सतारा जिले के विकास कार्यों के लिए 2 हजार 45 करोड़ रुपये का फंड दिया है। पर्वतीय विकास के लिए 200 करोड़ के प्रस्ताव को भी मंजूरी मुख्यमंत्री श्री. शिंदे ने कहा। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल ने कहा, सरकार आपके द्वार पहल इस मंशा से लागू की जा रही है कि अधिकारी लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में समझाएं और उन्हें उसका लाभ दें। सरकार ने 75 साल से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त एसटी यात्रा और महिलाओं के लिए 50

फीसदी छूट की योजना शुरू की है। इससे नागरिकों को काफी फायदा हुआ। जलयुक्त शिवर योजना हाल ही में शुरू की गई थी। कृषि उपज मंडी समिति के चुनाव में एक आम किसान खड़ा हो सकता था। दुधारू पशुओं के लिए सब्सिडी बढ़ाई गई, ऑनलाइन भुगतान करते समय डिजिटल सिग्नेचर से सतबारा उपलब्ध हुआ, रेत 600 रुपये पीतल, आनंदा राशन 100 रुपये सरकार द्वारा शुरू किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत सतारा के पालक मंत्री शंभूराज देसाई ने की। उन्होंने कहा, सरकारी अधिकारी जनता के सेवक हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए वरिष्ठ अधिकारी लोगों के घर-घर जाकर शासन आप दारी अभियान चला रहे हैं। विभिन्न योजनाओं का लाभ नागरिकों को दिलाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। यह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कारण संभव हुआ है। जनता की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी सप्ताह में एक दिन नागरिकों के पास पहुंचें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से भूकंप पीड़ितों की आने वाली पीढ़ियों को लाभ होगा। कार्यक्रम की शुरुआत महाराष्ट्र के राष्ट्रगान से हुई।

कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री ने जननायक बालासाहेब देसाई एवं श्री शिवाजीराव देसाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री शिंदे ने प्रतिनिधि तरीके से हितग्राहियों को हितलाभ एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा सतारा जिला निष्पक्षता सर्वेक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक पिछड़ा विकास निगम के अध्यक्ष नरेंद्र पाटिल, विधायक सर्वश्री श्रीमंत छत्रपति शिवेंद्रराजे भोसले, महेश शिंदे, शाहजी पाटिल, अनिल बाबर, प्रकाश अबितकर सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रोग्रेसिव्ह इंटरनैशनल स्कूल कक्षा 10 वी का परीक्षा परिणाम रहा पुनः शत-प्रतिशत

बुलंद गोंदिया- श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित गोंदिया एवं भंडारा जिले की एकमात्र आई. सी. एस. सी. बोर्ड (नई दिल्ली) से संलग्नित प्रोग्रेसिव्ह इंटरनैशनल स्कूल ने इस वर्ष भी 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देकर जिले का नाम रोशन किया। परीक्षा में सफल विद्यार्थियों में कु. गौरीकृष्णा गणेश रोडा 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल से तथा जिले से प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने पालको के नाम के साथ संपूर्ण गोंदिया जिले को गौरावित किया। द्वितीय स्थान पर कु.सौया सुनिल रमानी 93.2 प्रतिशत, तथा मा. सानिध्य गोपाल व्यास ने 93 प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ कु. श्रावणी प्रभाकर सपाटे 90.4 प्रतिशत, कु. प्रासी प्रशांत अग्रवाल 88.4 प्रतिशत, कु. वैदेही दानेय डुंभरे 88.4 प्रतिशत, मा. देवांश राजेशकुमार शेंडे 88.4 प्रतिशत, कु. डॉली दुर्गाप्रसाद चिखलेंडे 88.2 प्रतिशत, मा. सुजल विवेक मेथ्राम 88 प्रतिशत, कु. उज्ज्वली उमेश गणवीर 86.8 प्रतिशत, मा. श्रेयाश गुणरत्नकुमार गजभिये 84.4 प्रतिशत, कु. डिलपल प्रवीण बजाज 83.8 प्रतिशत, मा.

District Topper	District 2 nd Topper	District 3 rd Topper	District 4 th Topper
 Gourikrishna G. Roda 94.8%	 Soumya S. Ramani 93.2%	 Sanidhya G. Vyas 93%	 Shrawani P. Sapate 90.4%
 Preeti P. Aggrwal 88.4%	 Vaidehi D. Dhanbare 88.4%	 Devansh R. Shinde 88.4%	 Dolly D. Chikhonde 88.2%
 Ujjwli U. Umesh 86.8%	 Shreyash G. Gunarnath 84.4%	 Dilipal P. Prabhu 83.8%	 Raju M. Nigam 81.8%

राहुल लिलेश्वर नागदेवे 83.8 प्रतिशत, मा. कल्पक हेमराज पारधी 81.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशेष प्रविण्य सुची में अपना नाम दर्ज किया। संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का पंकज कटकवार, सचिव डॉ. निरज कटकवार प्राचार्य वाय. आशा राव ने स्कूल टापरस व उीर्ण छात्र - छात्राओं को बधाई दी। प्राचार्य ओ.टी. रहांगडाले, मिनाक्षी महापात्रा, कुमुदिनी तावाडे, स्मिता शुला, विकास पटले उसी प्रकार वरीष्ठ शिक्षक महेन्द्र हरिणखेडे, एम. जी. पटले, भावना मटाले, मनीषा रहांगडाले, अभिलाशा तिवारी, नेहा ठाकरे, हेमा नायडू इत्यादी शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अभिनंदन किया।

सर्वांगीण विकास के लिए निधि की कमी नहीं होने देंगे : पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले

बुलंद गोंदिया। पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले द्वारा अर्जुनी विधानसभा क्षेत्र के पलासगांव/राका, सड़क अर्जुनी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न किया गया। इसमें जलजीवन मिशन के तहत पाइप लाइन, सीमेंट सड़क निर्माण, मनरेगा के तहत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, 15वें वित्त आयोग के तहत सीमेंट सड़क निर्माण, ग्राम पंचायत निधि के तहत विभिन्न विकास कार्य और मनरेगा के तहत पानदान सड़क का काम शामिल है। पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे गांव के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव के लिए राशि उपलब्ध कराते रहेंगे और चहुंमुखी विकास के लिए राशि कम नहीं होने देंगे। इसके साथ ही बडोले ने भारतीय जनता



पार्टी के पदाधिकारियों से सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अपने गांवों में अधिक से अधिक संख्या में लाभार्थी बनाने की अपील भी की। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य कविता रंगारी, पंचायत समिति उपसभापती शालिंदर कापगते, राजेश नंदागवळी, पं.स.सदस्या सपनाताई नाईक, संरपच भारतीताई लोथे, उपसरपंच सुनिल चांदेवार, अशोक कापगते, ग्रामपंचायत सदस्य पुजाताई कापगते, कुंदाताई सावरकर, सविता मल्लेवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

काचेवानी ग्राम के नागरिक दूषित पानी पीने को मजबूर

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता तिरोड़ा) तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम काचेवानी के नागरिकों को ग्राम पंचायत द्वारा दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिस पानी की टंकी से नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति की जाती है, उसकी गत 1 वर्ष से सफाई नहीं किए जाने से गंदगी व कीटाणु युक्त पानी नागरिकों को मिल रहा है जिससे परिसर में संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है। गौरतलब है कि तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम काचेवानी की ग्राम पंचायत की लापरवाही के अनेक मामले इसके पूर्व भी सामने आ चुके हैं, लेकिन अब नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का एक मामला सामने आया है। जिसमें ग्राम के नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करना ग्राम पंचायत का ग्राम पंचायत की जवाबदारी है किंतु ग्राम



काचेवानी में नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति की जाने वाली पानी की टंकी की गत 1 वर्ष से सफाई नहीं की गई है तथा पानी की टंकी खुली होने के चलते बड़ी मात्रा में गंदगी के साथ-साथ वानरो द्वारा मल मूत्र त्याग भी किया गया है। जिससे अनेक बीमारी पैदा करने वाले बीमारियों का कारण बनने वाले जीवाणु पनप चुके हैं तथा वहीं दूषित पानी नागरिकों को ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति किया जा रहा है। इस मामले में ग्राम पंचायत में नागरिकों द्वारा अनेकों बार शिकायत किए जाने के बावजूद टंकी की सफाई नहीं की गई जिससे नागरिकों में आक्रोश निर्माण हो रहा है तथा जल्द ही ग्राम पंचायत काचेवानी द्वारा इसकी सफाई नहीं किए जाने पर नागरिकों द्वारा आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी गई।

मुझे पद से निष्कासित करने का अधिकार सिर्फ समाज को- अक्षय वासनिक

बुलंद गोंदिया। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती उत्सव समिति, गोंदिया के स्वयंभू अध्यक्ष अमित भालेराव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मेरे निष्कासन की घोषणा की और मेरे और मेरी कार्यकारिणी पर झूठे आरोप लगाए गए जो किसी भी सूरत में सही नहीं हैं, यह समाज को गुमराह करने की साजिश है। मैं समाज के आम लोगों द्वारा चुना गया अध्यक्ष हूं, मैं किसी उप-समिति का अध्यक्ष नहीं हूं और उन्हें मुझे निकालने का कोई अधिकार नहीं है। इस प्रकार की जानकारी 15 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षय वासनिक ने दी। आगे खा की ये लोग अपने स्वार्थ के लिए बाबासाहेब के नाम पर राजनीति कर रहे हैं और आगामी नगरपालिका चुनाव को सामने रखकर मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष अक्षय वासनिक ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम अपने राजनीतिक हितों के लिए बाबासाहेब के नाम का इस्तेमाल कर लोगों और समाज को गुमराह करना बर्दाश्त नहीं करेंगे। शासकीय विश्राम ग्रह में 15 मई को आयोजित पत्र परिषद में अक्षय वासनिक ने आगे कहा कि अमित भालेराव ने नप में कोटेशन जमा कर जयंती उत्सव समिति के डेकोरेशन के लिए गोंदिया नगर परिषद से 1 लाख रुपए लिए हैं। उनके दस्तावेज मिलते ही हमने उनके खिलाफ गोंदिया पुलिस में जयंती उत्सव समिति के फंड की हेराफेरी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करेगे। इस वर्ष जयंती उत्सव समिति डबलिंग ग्राउंड में 22 मई को हमेशा की तरह बुद्ध जयंती का भव्य दिव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि 15 दिन बाद हिसाब देंगे तब वसूलने के लिए कोड के इस्तेमाल पर उन्होंने कहा कि इससे पहले जो पिछले चार-पांच साल से समिति के अध्यक्ष थे, उनके क्यू. आर कोड का उपयोग करके चंदा लिया गया है। उनकी मुख्य रसीद दाताओं के पास सुरक्षित है और उनकी पावती हमारे पास है। इसलिए उन्होंने कहा कि हिसाब के समय इसे पेश किया जाएगा। वर्ष 2020 में जिन परिस्थितियों में संस्था का पंजीयन हुआ, उसमें समाज के लोगों को भरोसे में नहीं लिया गया। उनके इस असंवैधानिक कृत्य ने साबित कर दिया है कि संगठन को अपने स्वार्थ के लिए और राजनीति में अपने हितों को हासिल करने के लिए पंजीकृत किया गया था। किसी भी समाजसेवी संस्था का काम समाज को जोड़े रखना और समाज को दिशा देना होता है, लेकिन ये संस्थाएं प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह हैं और हिटलरवाद की मिसाल पेश कर रही हैं। अगर मैंने कुछ गलत किया है तो समाज को मुझे दंडित करने का अधिकार है। हम समाज के लोगों से एकत्रित राशि



का हिसाब जरूर देंगे। मेरी कार्यकारिणी पर वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाने वाले अमित भालेराव ने अपने कार्यकाल का लेखा-जोखा समाज को नहीं दिया वे दो साल 2020-2021 2021-22 अध्यक्ष थे। समाज इन सभी असामाजिक कृत्यों को कभी माफ नहीं करेगा और हम डॉ. हम लोग बाबासाहेब आंबेडकर और तथागत भगवान गौतम बुद्ध के विचारों का सम्मान करने वाले लोग हैं। इस असंवैधानिक कृत्य के कारण समाज को बदनाम किया गया है। जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे और जल्द ही इस संबंध में कानूनी कार्रवाई कर चेतावनी जारी की है। आगे उन्होंने समाज के कुछ अन्य संवेदनशील मुद्दों की जानकारी देते हुए कहा कि डॉ. जसानी बालक मंदिर में बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को स्थानांतरित करने के लिए ट्रस्ट के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए प्रशासनिक और न्यायिक लड़ाई लड़ी जा रही है। इसे जयंती समिति का सहयोग मिल रहा है। साथ ही नानाजी शेंडे की अध्यक्षता वाली जयंती समिति भी इसका विरोध नहीं कर रही है और न ही कोई साजिश कर रहा है। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। ट्रस्ट के जरिए इस जगह के बारे में गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। एक मंच पर जयंती बाबा की टैगलाइन पारंपरिक है और हम एकजुट रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारा उद्देश्य समाज में सद्भाव और भाईचारा बनाना है, विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाना है। और हमने नानाजी शेंडे की अध्यक्षता वाली समिति के साथ मंच साझा किया है और समाज में समरसता पैदा करना यह असामाजिक कार्य नहीं, अगर ट्रस्ट को असामाजिक लगता है तो यह उनकी राय हो सकती है, साथ ही ट्रस्ट के कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होने के बारे में भी अक्षय वासनिक ने कहा कि उन्होंने मुझे ऐसे किसी आयोजन में आमंत्रित नहीं किया था इसलिए

इसमें भाग लेने का कोई सवाल ही नहीं था। भीमघाट समिति द्वारा सामूहिक विवाह समारोह आयोजन व रक्तदान शिविर में आमंत्रित नहीं किया गया थाकिया गया था। इस अवसर पर अध्यक्ष अक्षय वासनिक, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार कठने, महासचिव अरविंद नागदेव, मिलिंद बागडे, स्वाति वालदे, रोहन रंगारी, संगठक अमर राउत, दिलेश्वरी साखरे, प्रशांत वाहने, आकाश इंद्रकर, सागर गेडाम, देवा रूसे, सुनिल भरणे, रतन वासनिक आदि मौजूद थे।

कवलेवाड़ा-चांदपुर मार्ग की हालत हुई खस्ता

तिरोड़ा-कवलेवाड़ा से चांदपुर मार्ग काफी खस्ताहाल हो चुका है। इस मार्ग में बड़े बड़े गढ़े भी हो गए हैं वहीं मार्ग की गिट्टियां भी ऊपर आ गई हैं। इस मार्ग का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है। लेकिन इस मार्ग से आने-जाने में दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। इस मार्ग को दुरुस्त करने की मांग जिला परिषद सदस्य किरण पारधी ने किया है। मार्ग की दुरुस्ती नहीं की गई तो आंदोलन करने की भी चेतावनी दी गई है। यह मार्ग 5 वर्ष पूर्व बनाया गया था। इसके बाद से इस मार्ग की दुरुस्ती नहीं की गई। चांदपुर देवस्थान के लिए इस मार्ग से हजारों लोग जाते हैं। इस मार्ग के जलाशय को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जाते हैं। फिर भी इस मार्ग को दुरुस्त करने में संबंधित विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। इसके अलावा इस मार्ग की ओर जनप्रतिनिधि भी अनदेखी कर रहे हैं। जिप सदस्य किरण पारधी ने धापेवाड़ा लिफ्ट सिंचाई योजना के संबंधित अधिकारी से चर्चा की गई लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। बारिश के पूर्व मार्ग की दुरुस्ती नहीं की गई तो आंदोलन करने की चेतावनी भी पारधी ने दी है।

संपादकिय...

महामहिम की मर्यादा

महाराष्ट्र और दिल्ली से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से एक बार फिर राज्यपाल और उपराज्यपाल पद की मर्यादा रेखांकित हुई है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे से बगावत कर शिव सेना के कुछ विधायकों ने अलग पार्टी बनाने का एलान कर दिया था। इस तरह उद्धव ठाकरे की सरकार पर बहुमत का संकट पैदा हो गया था। तब तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करने का आदेश दिया था। तब खासा राजनीतिक नाटक हुआ था और ठाकरे ने आखिरकार बहुमत पेश करने के बजाय अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसे लेकर राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठने शुरू हो गए थे। शुरू में ही जब शिव सेना ने भाजपा के बजाय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिल कर महा विकास अघाड़ी सरकार बनाने का फैसला किया था, तब भी राजनीतिक उठापटक के बीच कोश्यारी ने अफरातफरी में भाजपा के मुख्यमंत्री को शपथ दिला दी थी। इससे उन पर आरोप लगने लगा था कि वे वही कर रहे हैं, जो केंद्र चाहता है। अदालत ने भी उनके व्यवहार को अनुचित ठहराया है। इसी तरह दिल्ली में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक तरह से चुनी हुई सरकार के सारे अधिकार अपने हाथों में ले लिए थे और प्रशासनिक कामकाज में लगातार अड़ंगा डाल रहे थे। इस पर अधिकारों की व्याख्या के लिए सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी और अब संविधान पीठ ने चुनी हुई सरकार के पक्ष में फैसला दिया है। दिल्ली में उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकार के बीच तनातनी शुरू से ही चली आ रही थी। वीके सक्सेना से पहले भी जो उपराज्यपाल आए, उन्होंने दिल्ली सरकार के हर फैसले में रोड़ा अटकाने का प्रयास किया। खासकर प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती और तबादले को लेकर एक तरह से दिल्ली सरकार का अधिकार ही छीन लिया गया था। तब भी करीब पांच साल पहले सर्वोच्च न्यायालय में अधिकारों की यह लड़ाई पहुंची थी और उसने फैसला दिया था कि अफसरों की तैनाती और तबादले का अधिकार चुनी हुई सरकार को है। मगर फिर भी उपराज्यपाल ने अपनी मर्यादा का ध्यान नहीं रखा। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कह दिया है कि उपराज्यपाल को बेशक राष्ट्रपति की तरफ से प्रशासनिक कामकाज देखने के लिए नियुक्त क्या गया है, मगर चुनी हुई सरकार को ताकत देना बहुत जरूरी है। देखा है, अब भी उपराज्यपाल अपनी मर्यादा का पालन करते हैं या नहीं। दरअसल, राज्यपाल और उपराज्यपालों की नियुक्ति इसलिए की जाती है कि वे राज्य सरकारों को किसी प्रकार का अनुचित फैसला करने से रोक सकें। मगर जबसे इन पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां की जाने लगी हैं, तबसे इस पद की मर्यादा कहीं हाथिये पर चली गई है। अब राज्यपाल और उपराज्यपाल प्रायः राजनीतिक लोग होते हैं।

हनुमान मंदिर में चांदी का छत चुराने वाला गिरफ्तार
तीन मंदिरों में हुई चोरी का खुलासा

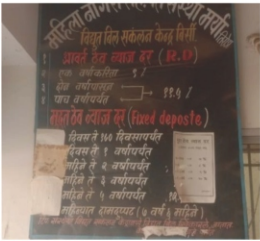
बुलंद गोंदिया-चोरों में ईमान धर्म की कल्पना करना कोसो दूर हो गया है। अब ये मंदिरों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। शहर में मंदिरों में हो रही चोरी की वारदातें पुलिस के लिए सिरदर्द बन गई थी, जिसे लेकर पुलिस कप्तान निखिल पिंगळे ने आरोपियों की पकड़ के सख्त निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए थे। अभी हाल ही में 14 मई की रात गोंदिया शहर के मालवीय स्कूल के सामने स्थित हनुमान मंदिर में अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर हनुमान जी के सिर का चांदी का छत और दानपेटी की रकम चुराई ली थी। इसी तरह चंद्रशेखर वार्ड, श्रीनगर में शीतला माता मंदिर में ताला तोड़कर दानपेटी की रकम व मड़ी चौक के पीछे माँ दुर्गेश्वरी मंदिर का ताला तोड़कर दानपेटी पर हाथ साफ किया था। इन सभी मामलों पर शहर पुलिस, क्राइम ब्रांच की टीम आरोपियों की पकड़ हेतु ऑपरेशन चला रही थी। तीनों मंदिरों से कुल 15 हजार 500 रुपये का माल चोरी होने पर थाने में थारा 457, 380, भादवि के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं। इन मंदिरों से चोरी के मामलों पर पुलिस को गोपनीय सूचना मिली कि राहुल उर्फ चोचो आँकारकर उम्र 24 वर्ष, निवासी नंगपुरा मुरी, तहसील गोंदिया 14-15



मई की रात हनुमान मंदिर में चांदी का छत व दानपेटी की रकम चोरी कर नागपुर फरार हुआ है। पुलिस टीम ने आरोपी की जानकारी मिलते ही उसकी खोज खबर शुरू की और उसे भंडारा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी पकड़कर गोंदिया थाने में लाया गया और उससे पूछताछ की गई। आरोपी राहुल उर्फ चोचो ने तीनों मंदिर में खुद चोरी करने का आरोप कबूल किया। आरोपी के पास से 2900 रुपये बरामद किए गए। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगळे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, एसडीपीओ सुनील ताजने के मार्गदर्शन में स्था.गु.शा. के पीआई दिनेश लबडे, सहा.फौज.अर्जुन कावळे, पोहवा-राजेंद्र मिश्रा, महेश मेहर, भुवनलाल देशमुख, चित्तरंजन कोडापे, नेवाला ल भेलावे, लक्ष्मण बंजारा, तकनीकी शाखा के एपीआई शिद, पो. हवा दिक्षित दमाहे, प्रभाकर पलांदुरकर, धनंजय शेंडे, संजू मारवाडे, मोहन शेंडे, ने बेहतर कार्य किया।

महिला नागरी पतसंस्था में गबन मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया-महिला नागरी सहकारी पतसंस्था में बिजली बिल व नल के बिल में गबन के मामले में तिरोड़ा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महिला नागरिक सहकारी पतसंस्था से 5 लाख 38 हजार 193 रु. का गबन तब किया गया जब वहां प्रशासक बैठे हैं। मुख्य प्रशासक व सहायक निबंधक कार्यालय के सहायक अधिकारी सुधीर शेंडे द्वारा 2 मई को दर्ज कराया गयी शिकायत के अनुसार पुलिस ने



विद्युत बिल और पानी के बिल जमा करने वाले कर्मचारी रितेश मलेवार के साथ ही उनकी देखरेख के लिए जिम्मेदार शाखा प्रबंधक प्रभाकर निमजे पर मामला दर्ज किया गया।

दोनों आरोपियों को 15 मई की शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 18 मई तक पुलिस हिरासत में देने का आदेश दिया है।

11 हजार किसानों को मिला
फसल बीमा योजना का लाभ

15811 किसानों ने कराया था फसल बीमा : 2.74 करोड़ रु. रिफंड

बुलंद गोंदिया-फसल कटने के बाद भी लाभ नहीं मिलने के कारण पिछले तीन साल से किसानों ने फसल बीमा लेना बंद कर दिया है। पिछले साल जिले के 15811 किसानों ने ही फसल बीमा लिया था। जिसमें से बीमा कंपनी ने 10980 किसानों को फसल बीमा लाभ के लिए 2 करोड़ 68 लाख रु. मुआवजे के रूप में स्वीकृत किए हैं। फसल



ज्यादा नजर आ रही है।

पिछले खरीफ सीजन में धान की कटाई के सीजन में बारिश हुई थी। इससे भारी बारिश के कारण काफी मात्रा में कटा हुआ धान बर्बाद हो गया। जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ। जिन किसानों ने फसल बीमा कंपनी से फसल बीमा कराया था। इनमें से 151 किसानों को फसल बीमा कंपनी द्वारा मुआवजे के रूप में 16 लाख रु. की राशि स्वीकृत की गई है।

फसल बीमा कराने का चलन हो रहा कम

फसल बीमा का पिछला अनुभव अच्छा नहीं रहा है। इसलिए कई किसान फसल बीमा कराने की ओर अनदेखी कर रहे हैं। इसलिए देखा जा रहा है कि किसानों का फसल बीमा कराने का रुझान कम हो रहा है।

इस साल मुआवजा मिलेगा क्या?

जिले में इस साल हुई बेमौसम बारिश से मक्का और बागों के साथ धान की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। नुकसान झेलने वाले कई किसानों ने फसल बीमा करवाया है। साथ ही उन्होंने नुकसान की जानकारी बीमा कंपनी व कृषि विभाग को भी दी है। इसलिए किसानों द्वारा यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या इस साल किसानों को हुए नुकसान की भरपाई बीमा कंपनियां करेंगी। इसमें बीमा कंपनी की क्या भूमिका है, इस पर नजरे टिकी है।

नहीं कड़ी में...आज की बात माँ तो माँ ही है...

माँ, इस एक शब्द में सारी दुनिया का सार समाया हुआ है। ईश्वर हर जगह पर उपस्थित है, यह हमने सुना और पढ़ा जरूर है पर देखा नहीं है पर कोई मुझे ये पूछे कि तुमने ईश्वर को देखा है? तो इस सरल से प्रश्न का उत्तर है हाँ, मैंने ईश्वरीय स्वरूप में अपनी माँ को हर मुश्किल घड़ी में अपने साथ जरूर खड़े देखा है। यह प्रश्न सिर्फ मेरे लिए ही नहीं है यह प्रश्न हम सभी के लिए है। इस प्रश्न का जैसा सरल उत्तर मेरा है वैसा ही हम सभी का भी जरूर होगा। हम सभी अपनी ममतामयी माँ को हर मुश्किल घड़ी में ईश्वरीय साये के रूप में हमेशा अपने साथ में अवश्य ही महसूस किया होगा।

आखिर क्यों माँ को ईश्वरीय दर्जा दिया जाता है? इसका सीधा और सरल जवाब है कि वह माँ ही होती है जो अपने बच्चों को अपने पेट में नौ महीने जगह देकर अपने एक-एक कतरे खून से एक किसान की तरह अपने बच्चों का पोषण करती है। जिस प्रकार ईश्वर इस सृष्टि के रचयिता हैं, ठीक वैसे ही हमारी रचना भी हमारी माँ ने उसी प्रकार से ही की है। वह माँ ही है जो अपने बच्चों की हर एक जरूरत, सुख और दुख को आसानी से समझ लेती है और उसे पूरा करने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने में भी एक पल की देरी नहीं करती।

भगवान हर जगह साकार रूप में माँ के रूप में ही रहते हैं। स्वयं भगवान ने भी माँ का स्नेह पाने के लिए बारंबार इस धरती पर जन्म लिया है। मैंने कभी ईश्वर को तो नहीं देखा है और न ही देखने की तमन्ना है, क्योंकि मेरी माँ का आशीर्वाद रूपी हाथ और स्नेहमयी स्पर्श ईश्वर के ही रूप में आज भी मेरे साथ है और उनके इस स्पर्श में ही मुझे ईश्वर के अक्स की अनुभूति हर क्षण होती रहती है। आप सभी ने भी ईश्वरीय रूप में अपनी माँ को हर पल अपने साथ में अवश्य महसूस किया होगा। आज के इस विशेष मातृ दिवस पर अंत में बस इतना ही कहूँगी कि...



माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ हर सुख-दुख को समझने वाली,
अपने ही गोद में प्रेम से सुलाने वाली,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
मेरी माँ ने जब मुझे दी थपकी प्यार से,
सब सुखों से भरती रही मेरी झोली,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
जीवन में हमेशा मुझे आगे बढ़ना सिखाया, अपनी तकलीफ को कभी नहीं बताया,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
जिम्मेदारियों से हमेशा बंधी रही,
दिन-भर सबकी तमन्ना पूरी करती रही,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
तेरे दिये संस्कारों का ना है मोल कोई,
तुझ जैसा संसार में ना है अमोलक कोई,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
तेरी ही छत्रछाया में मेरा न कुछ कभी बिगड़ा,
तेरी ही आशीष से हर विपदा का मुख मुड़ा,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
ऐसा क्या करूँ मैं ओ मेरी माँ.....?
जिससे बना रहे, साथ सदा तेरा,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
तेरी कमी ना पूरी कर सके कोई,
तुझ जैसा तो इस दुनिया में ना है दूजा कोई,
माँ ! ओ मेरी प्यारी माँ.....
हर ममतामयी माँ को समर्पित....

तमन्ना मतलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

श्री महावीर मारवाड़ी हाईस्कूल दसवीं प्रथम बेच1993 के विद्यार्थियों ने
गुरुजनों को किया सम्मानित पूर्व विद्यार्थी व शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

बुलंद गोंदिया। श्री महावीर मारवाड़ी हाई स्कूल वर्ष 1993 दसवीं प्रथम बैच के विद्यार्थियों द्वारा स्टूडेंट रियूनियन कार्यक्रम का आयोजन श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया जिसमें बैच के करीब 50 विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीत, सरस्वती व हनुमान जी की वंदना कर की गई वह सभी शिक्षकों का सत्कार व सम्मान विद्यार्थियों द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में संस्था अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल वह प्रमुख अतिथि के रूप में संस्था के पूर्व सचिव सुरेंद्र शर्मा उपस्थित थे।

गौरतलब है कि श्री महावीर मारवाड़ी हाई स्कूल कि वर्ष 1993 दसवीं की प्रथम बेच के विद्यार्थियों द्वारा पूर्व विद्यार्थी व शिक्षक सम्मेलन स्टूडेंट रियूनियन कार्यक्रम श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रारंभिक शिक्षा जिन शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई ऐसे गुरुजनों विजयकांत मिश्रा ,अनीता त्रिवेदी, रोसलिन मार्टिन, ज्ञानेश्वर कावडे , विजय देशपांडे, स्वर्णलता वर्मा, सुधा शर्मा, विना डोंगरे, यु एस एस राव, नीता गजभिर्, हेमकांता बुडेकर , कविता देशमुख (घुसे) , संतोष श्रीवास्तव वह अजय श्यामका सर उपस्थित थे। जिन्होंने विद्यार्थियों के साथ



अध्ययन काल की खटी मीठी यादों को सांझा कर शिक्षकों द्वारा उनके भविष्य की उज्ज्वल शुभकामनाएं दी।

इसके पश्चात इस बैच के विद्यार्थियों द्वारा अपने सभी गुरुजनों का आभार व्यक्त कर साल श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही दिवंगत गुरु धर्मचंद येरपुड़े, विशंभर मिश्रा, मदनलाल बिसेन , रमेश काडबांधे , दाजीबा मनापुरे ,गजाधर शर्मा व दिवंगत विद्यार्थी विजय नशीने को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

महावीर मारवाड़ी स्कूल के प्रथम बेच के विद्यार्थियों द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपसी तालमेल कर कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया विशेष यह की उस बेच के विद्यार्थी पुणे, इंदौर, नागपुर ,जबलपुर, छिंदवाड़ा आदि स्थानों से आकर श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल गोंदिया में अध्ययन काल के दौरान 30 से 40 वर्ष पुरानी अपनी सालेय जीवन की यादों को तरोताजा किया इन विद्यार्थियों में कुछ विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर, सेना, व्यवसाई,



कवि, शिक्षक बनकर देश और समाज की सेवा कर रहे हैं। शाला व शिक्षक परिवार द्वारा दिए गए संस्कारों द्वारा अच्छे समाज का निर्माण होता है ऐसा इन हौनहार विद्यार्थियों ने कर दिखाया है। 30 वर्षों के पश्चात मिलने पर सभी में एक अपार उत्साह व उमंग देखने लायक था तथा पुराने स्कूली सहपाठियों के साथ बिताया हुआ वह बचपन का लम्हा जैसे जीवंत हो गया साथ ही सभी मित्रों ने स्कूल की कक्षा में बैठकर अपने पुराने दिन भी याद किए तथा अपनी सफलता व जीवन के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पवन अग्रवाल, मनीष शर्मा, नीरज अग्रवाल ,नितिन अग्रवाल, विजय केसरवानी, धर्मेन्द्र शर्मा, चंचल अग्रवाल ,हेमलता अग्रवाल ,ज्योति अग्रवाल, लीना दुबे, प्रीति पारधी ,सीमा मिश्रा ,अनिश जैन, श्रीराम लेकरिया, संगीता चावला व अन्य सभी ने प्रयास किया साथ ही कार्यक्रम का मंच संचालन मनीष ठाकुर व संतोष शर्मा द्वारा किया गया।

153 बच्चे हुए कुपोषण मुक्त-पोषण पुनर्वास केंद्र का कार्य

गोंदिया -जिला आदिवासी और नक्सल प्रभावित है, इसलिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के आहार और स्वास्थ्य की उपेक्षा की जाती है। जब एक महिला गर्भवती होती है, अगर उसे ठिक से आहार नहीं मिलता है, तो पेट में पल रहा बच्चा कुपोषित हो जाता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग और महिला व बाल कल्याण विभाग को उन बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए भरसक प्रयास करने पड़ते हैं। यहां के बीजेडब्ल्यू अस्पताल के पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) ने वर्ष 2022-23 में कुपोषित 153 बच्चों को ठीक किया है। भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत और बच्चों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लेकिन कोरोना काल

में माता-पिता द्वारा अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने से कुपोषण की दर में कमी आई है। शहरी क्षेत्रों में बच्चे मोटे हो गए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण कम हो गया है। इसका एकमात्र कारण यह है कि माता-पिता ने कोरोना काल में अपने बच्चों पर विशेष ध्यान दिया है। वहीं जिले में गंभीर रूप के 158 बच्चों को कुपोषण से निजात दिलाने के लिए वर्ष 2022-23 में बीजेडब्ल्यू अस्पताल में स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया गया था। इनमें से 153 बच्चे सामान्य श्रेणी में आए हैं। जिले में दो सीसीसी केंद्र, ग्रामीण अस्पताल अर्जुनी मोरगांव और उपजिला अस्पताल तिरोड़ा कुपोषण मिटाने के लिए अच्छा प्रयास कर रहे हैं। महिलाओं में

एनीमिया; बच्चों को कुपोषण गर्भावस्था के दौरान भी कई महिलाओं को चावल और सब्जी के अलावा और कोई खाना नहीं मिलता है। इसलिए जिले की 30 प्रश. महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भावस्था के दौरान उचित देखभाल के अभाव में माता व बच्चे को खतरा रहता है। बीजीडब्ल्यू अस्पताल में प्रसव के लिए आने वाली अधिकांश महिलाओं में हीमोग्लोबिन 6 होता है। इसके लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। गर्भावस्था के दौरान महिला को संतुलित आहार नहीं मिलने के कारण बच्चा कुपोषित पैदा होता है। परिणामस्वरूप उन बच्चों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल डाक्टर के सामने खड़ा हो जाता है।

अतिक्रमित गट्टू फैक्ट्री पर वन विभाग का छापा शशिकरण देवस्थान क्षेत्र में कार्रवाई

बुलंद गोंदिया-वन विभाग की एक टीम ने सड़क अर्जुनी तहसील में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 6 से सटे कक्ष क्र.165 आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध रूप से स्थापित गट्टू कारखाने पर छापा मारा और 18 हजार नग गट्टू व अन्य सामग्री सहित लाखों रु. का माल जब्त किया. दिलचस्प बात यह है कि 16 मई से शुरू हुई कार्रवाई 17 मई के देर रात तक जारी थी.



राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 6 पर कोहमारा वन परिक्षेत्र के रेंगेपार सहवन क्षेत्र के नियतक्षेत्र बाह्यमणी के आरक्षित वन क्षेत्र कक्ष क्र. 165 के अंतर्गत आने वाले शशिकरण देवस्थान पहाड़ी क्षेत्र से सटे हुए फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है. उक्त पुल के निर्माण का ठेका अग्रवाल ग्लोबल इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड रायपुर के पास है. वहीं पुल निर्माण के लिए आवश्यक गट्टू का निर्माण उक्त कंपनी द्वारा उसी क्षेत्र में कराया जा रहा है. दिलचस्प बात यह है कि यह काम पिछले दो महीने से कंपनी से उक्त स्थल पर फैक्ट्री लगाने की अनुमति लिए बिना चल रहा है. इसी बीच वन परिक्षेत्र सड़क अर्जुन से इस मामले की जानकारी मिलते ही संबंधित टीम घटना स्थल पर पहुंच गई और काम पर लगे मजदूरों से पूछा कि क्या उनके पास उक्त

कारखाने या चल रहे कार्य के संबंध में कोई अनुमति दस्तावेज या लाइसेंस है. मजदूरों ने बताया कि हम मजदूरों को इस बात की जानकारी नहीं है. इसी बीच गट्टू बनाने के कार्य को रोककर तथा आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर कार्य करने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्य की जांच कर बिना अनुमति के अवैध रूप से कारखाना स्थापित कर भारतीय वन अधिनियम 1927 व भारतीय वन्य जीव अधिनियम 1972 का विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर के सहायक वन संरक्षक गोंदिया के समक्ष रेत, गिट्टी, सीमेंट बैग, मालवाहक, जनरेटर मशीन, लोहे काटने की मशीन, कंक्रीट मशीन, ब्लॉक मेकिंग मशीन, टिन शेड व 18 हजार नग सीमेंट के गट्टू जब्त किए गए. जांच सहायक वन संरक्षक (रोहयो) प्रदीप पाटिल, सहायक वन संरक्षक राजेंद्र सदगीर, वन परिक्षेत्राधिकारी सुरेश जाधव, क्षेत्र सहायक संतोष घुगे, बीट रक्षक राजु उईके संरक्षक के मार्गदर्शन में कर रहे हैं.

मनरेगा के 50 लाख के काम आरंभ

बुलंद गोंदिया ग्राम पंचायत खोड्सिवनी में किसानों एवं खेतिहर मजदूरों को काम उपलब्ध करा देने के लिए रोजगार गारंटी योजना के तहत लगभग 50 लाख रुपए की लागत से 2 तालाबों का गहराईकरण एवं और एक नाला गहराईकरण का काम की शुरुआत की गई। इन कामों पर 500 से अधिक मजदूरों को काम उपलब्ध हुआ है। इन कार्यों का शुभारंभ मजदूर महिला के हाथ से नारियल फोड़कर किया गया। आधार कार्ड अपडेट न होने से कुछ मजदूरों के नाम मष्टर पर नहीं आ पाए हैं। इसके लिए लगातार तीन दिनों तक

आधार कार्ड अपडेट करने का शिविर लगाकर 130 नागरिकों के आधार अपडेट किए गए। ग्राम पंचायत खोड्सिवनी के अंतर्गत 16 दिव्यांग होने के कारण ग्राम पंचायत ने अपनी आय से 5 प्रतिशत राशि उनके खातों में डिपॉजिट करने का निर्णय लिया है। उसी प्रकार ग्राम पंचायत अंतर्गत 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 की अवधि में किसी भी परिवार में बेटी का जन्म होने पर उसके नाम पर पोस्ट में ग्राम पंचायत द्वारा 1 हजार रुपए का समृद्धि कन्या योजना का खाता खोलकर दिया जाएगा।

सरकारी धान से भरे दो ट्रक जब्त, तिरोड़ा तहसील के नवेझरी का मामला

बुलंद गोंदिया– जिला विपणन अधिकारी कार्यालय ने तिरोड़ा तहसील में पांडव सहकारी विपणन राईस मिल के तहत सरकार समर्थित धान खरीद केंद्र में खरीदे गए धान के शिपमेंट का आदेश दिया. चंद्रपुर जिले के मूल तहसील में हिमालय एग्रो फूड इंडस्ट्री को धान दिया गया. धान उठाने के लिए डीओ भी हिमालय एग्रो फूड को दिए गए थे. हिमालया एग्रो ने 14 मई को पांडव सहकारी विपणन राईस मिल के तहत नवेझरी गांव में सरकार समर्थित धान खरीद केंद्र से धान के दो ट्रक लोड किए. करीब 40 किलो वजन के धान के 1400 कट्टे दिए गए. हिमालय एग्रो इंडस्ट्री को जिला विपणन कार्यालय द्वारा 200 रु. प्रति क्विंटल की दर से लगभग 560 क्विंटल धान के लिए 1 लाख 12 हजार रु. का परिवहन शुल्क दिया गया. लेकिन हिमालय एग्रो इंडस्ट्री मूल ने नवेझरी से उठाए गए धान को भंडारा जिले के जवाहर नगर थाना अंतर्गत चिखली के पास श्री साईनाथ एग्रो इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड



को अपने फायदे के लिए झूठा बिल बनाकर बेच दिया. इसके लिए लाखनी तहसील के संदीप ट्रांसपोर्ट से इस धान को नवेझरी गांव से भंडारा जिले के चिखली के पास श्री साई नाथ एग्री इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड तक पहुंचाने का करार किया गया. यह सरकारी धान ट्रक क्र. एमएच 49 डू एटी 9835 और एमएच 49 डू एटी 5035 के माध्यम से श्री साई नाथ एग्री इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड को पहुंचाया गया. दोनों ट्रकों को राइस मिल के अंदर ले जाया गया. ट्रक एमएच 49 डू एटी 5035 में धान के लगभग 700 कट्टों में से 138 कट्टों को राइस मिल में

पलटा दिया गया और 21 कट्टे नीचे रखे गए. इसकी जानकारी पहले से ही होने से पुलिस ने नवेझरी से ही ट्रकों पर नजर रखी थी. राइस मिल में धान खाली करते समय पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया. श्री साई नाथ एग्रो इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के मालिकों से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि धान एक निजी व्यवसायी से खरीदा गया था. उन्होंने इस बात का जवाब नहीं दिया कि उन्होंने सरकारी धान कैसे खरीदा. लिहाजा पुलिस ने धान समेत दोनों ट्रकों को थाने में जमा करा दिया. इस संबंध में जांच चल रही है और गोंदिया जिला विपणन अधिकारी कार्यालय इस बात की जांच कर रहा है कि धान नवेझरी धान खरीद केंद्र से लिया गया था या नहीं.

तिरोड़ा तहसील के नवेजरी से धान की जानकारी हम तक पहुंची है. जांच के बाद दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी.

विवेक इंगले,
जिला विपणन अधिकारी

बाजार से दोपहिया उड़ाई

गोंदिया– सालेकसा थानांतर्गत ग्राम बोदलबोडी निवासी फरियादी धर्मेन्द्र भरतलाल बहेकार (31) सालेकसा के साप्ताहिक बाजार में सब्जियां लाने गया था। इस दौरान उसने अपना तिराले वाहन शराब भट्टी के बगल वाले रोड किनारे खड़ा था। सब्जियां लेने के बाद वह अपने वाहन के पास आया तो उसे उसका वाहन गायब दिखाई दिया। उसने अपने वाहन की काफी खोजबीन की लेकिन उसका वाहन दिखाई नहीं दिया।

नपं के कार्यों की अनियमिता, जांच की जाए पार्षदों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की मांग

अर्जुनी मोरगांव–नगर पंचायत की सर्वसाधारण सभा में नगरसेवकों का आरोप है कि आमसभा में मनमाने तरीके से विकास समिति का गठन किया गया। नगरसेवकों ने जिलाधिकारी को दिए निवेदन में मामले की जांच कर नगराध्यक्ष और मुख्याधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। 18 अप्रैल को नगर पालिका में आमसभा का आयोजन किया गया। इस बैठक के विषय सूची में क्रमांक 3 प्रारूप विकास योजना योजना समिति गठन प्रक्रिया को लागू करने का विषय था। इसमें नगराध्यक्ष ने समिति में जाने का ऐलान किया। साथ ही नगराध्यक्ष ने बताया कि बाकी दो पार्षद चुन लिए गए हैं इससे पार्षदों में नाराजगी है। इस विषय को उठाते हुए नगरसेवकों ने समिति गठन की प्रक्रिया के लिए शासन से पत्र की

मांग की. विशेष रूप से, योजना समिति को रू था। यी समिति से तीन सदस्यों की नियुक्ति करनी है। पत्र में इस बात का जिक्र नहीं है कि नगराध्यक्ष समिति के पास जाएंगे यह पत्र भी नहीं दिखाया गया। सरकारी पत्र को लेकर गोपनीयता बरती गई। हॉल में नगराध्यक्ष का बयान भ्रामक है। स्थायी समिति से उक्त समिति में जाने वाले तीनों सदस्यों को आम सभा में बहुमत से चुना जाना था। नगरसेवकों ने



जिलाधिकारी को निवेदन देकर इस मामले में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। प्रतिनिधि मंडल में दानेश्वर साखरे, सागर आरेकर, राधेश्याम भेंडारकर, अतुल बंसोड़, शैला उइके, सर्वेश भुतडा, दीक्षा शहारे, सुपमा दामले, दिव्या पशीने, संजय सिंह पवार, ललिता टेंभरे, इंदु लांजेवार और सपना उपवंशी का समावेश है।

प्यास से त्याकुल वन्यजीव कर रहे रहे शहर का रुख पांगंडी के जंगल से सटी सड़कों पर नजर आ रहे वन्यजीव

बुलंद गोंदिया–शहर से 15 किमी दूरी पर पांगंडी जंगल है। जहां अनेक वन्यजीवों का अधिवास है। गर्मी का मौसम होने के कारण वन्यजीव पानी के तलाश में भटकते हुए रिहायशी इलाकों की ओर आ रहे हैं। सड़क किनारे तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में सड़क हादसों में कई वन्यजीवों की जान चली जाती है। कभी-कभी ये शिकारियों के हथ्ये भी चढ़ जाते हैं। गर्मी में भोजन- पानी की तलाश में वन्य जीवों का रिहायशी इलाकों में आना आम बात है। लेकिन इन्हें देखने के लिए गोंदिया के वन्यजीव प्रेमी चौपहिया वाहनों से रात के समय पांगंडी के जंगलों में भटक रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों के शिकार की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। बता दें कि पिछले कुछ दिनों



पूर्व पांगंडी के जंगल में तेंदुआ नजर आने का वीडिओ सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। जिसके बाद से ही प्रतिदिन रात के समय यहां वन्यजीव प्रेमी चौपहिया वाहनों से घुम रहे हैं। इतना ही नहीं तो वाहन में बैठे लोग टॉर्च के जरीये वन्यजीवों के दर्शन करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में शिकारी भी

इसका फायदा उठा सकते हैं। हालांकि वन्यजीव प्रेमी वन्यजीवों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हो, लेकिन इसकी आड में शिकारियों की टोली फायदा उठा सकती है। जिसके लिए वन विभाग को भी सतर्क होने की जरूरत है। 14 मई की मध्यरात्रि भी अनेक वाहन चालक पांगंडी से बोदलकसा की ओर जानेवाली सड़क पर टॉर्च की रोशनी से वन्यजीवों के दर्शन के लिए भटकते हुआ दिखाई दिए। कुछ वन्यजीव प्रेमियों को तेंदुए के दर्शन भी हुए। पिछले कुछ दिनों से यहां तेंदुए के दर्शन होने से शिकारियों की टोली भी इस पर नजर बनाए रह सकती है। ऐसे में वन विभाग को परिसर में गश्त लगाने की जरूरत है। ताकि वन्यजीवों का शिकार न हो जाए।

पीएम आवास योजना के लाभार्थी नहीं बना पा रहे आशियाने

कामठ (गोंदिया). गोंदिया तहसील के परसवाड़ा ग्राम के लाभार्थियों को पीएम आवास योजना के तहत आवास निर्माण कराने के लिए लाभार्थियों के खाते में राशि जमा की गई है। जब लाभार्थी आवास निर्माण करने के लिए आगे आए तो भारत रिजर्व बटालियन क्रमांक 2 के बटालियनों ने आवास बनाने से मना कर दिया है। बटालियन का कहना है कि जिस जगह पर मकान बना रहे है वह जमीन बटालियन के लिए आरक्षित की गई है। जिससे लाभार्थी संकट में आ गए है। बता दें कि जिन्हें रहने के लिए मकान नहीं और जिनके मकान कच्चे है ऐसे लाभार्थियों को केंद्र सरकार की ओर से पक्के मकान बनाने के लिए पीएम आवास योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को अनुदान के तौर पर राशि दी जाती है। मकान निर्माण के पूर्व ही पहली किश्त के रूप में लाभार्थियों के खातों में राशि जमा की जाती है ताकि इस राशि से मकान का फाउंडेशन तैयार किया जा सके। परसवाड़ा ग्राम के लाभार्थियों के खातों में पीएम आवास योजना की पहली किश्त जमा हो चुकी है। जब लाभार्थी कच्चे मकान परिसर में पीएम आवास का काम शुरू करने जाते है तो भारत बटालियन द्वारा उस जमीन पर मकान निर्माण करने से रोक दिया जाता म है। जिस कारण लाभार्थी आवास निर्माण नहीं कर रहे है। अवैध रेत परिवहन कर रहे

फिर बढ़ी आरटीई प्रवेश की तारीख

गोंदिया –शिक्षा विभाग आरटीई प्रवेश की समय सीमा लगातार बढ़ा रहा है. वहीं इसे और बढ़ाकर 22 मई तक की डेडलाइन दी गई है. लेकिन यह विस्तार अंतिम है. जिसके बाद



लॉटरी से चयनित प्रतीक्षा सूची के बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. जिन बच्चों का प्रवेश पक्का नहीं हुआ है उनके अभिभावकों को ध्यान देना आवश्यक है और 22 मई तक प्रवेश सुनिश्चित करना है.

कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे इसके लिए सरकार ने शिक्षा का अधिकार लागू किया है. इसके तहत निजी गैरसहायता प्राप्त स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें वंचित और कमजोर वर्ग के लड़के और लड़कियों के लिए आरक्षित हैं. इस वर्ष जिले के 131 विद्यालयों में आरटीई के तहत 864 सीटें आरक्षित हैं. जिसके लिए 7 अप्रैल को हुए ड्रा में 863 विद्यार्थियों का चयन किया गया है. इसके तुरंत बाद अभिभावकों ने दस्तावेजों का सत्यापन किया. 25 अप्रैल तक एडमिशन कंफर्म होना था. लेकिन उस अवधि में अधिकांश बच्चों के प्रवेश की पुष्टि नहीं हुई थी. परिणामस्वरूप यह समय सीमा बढ़ा दी गई और ऐसा करके 15 मई तक की समय सीमा दी गई. लेकिन 15 मई तक जिले के करीब 75 प्रतिशत बच्चों की ही

पुष्टि हुई है. ऐसे में तारीख समय सीमा 22 मई तक बढ़ा दी गई है. लेकिन यह विस्तार अंतिम है और इसके बाद लॉटरी से चयनित बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया शिक्षा संचालकों से शुरू की जाएगी. आरटीई प्रवेश में

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोंदिया जिला राज्य में पहले स्थान पर है. 9 मई की रिपोर्ट के अनुसार, गोंदिया जिले में सबसे अधिक 609 दाखिले हुए और इसका प्रश. 70.49 रहा. उसके बाद 10 मई को आई रिपोर्ट के अनुसार इसमें बढ़ोतरी हुई और 626 आवेदनों की पुष्टि हुई और प्रश. 72.45 रहा. अब इसमें और इजाफा हुआ है, करीब 75 प्रश. दाखिले पक्के हो गए हैं और पता चला है कि जिला लगातार पहले स्थान पर है. जिले में 864 सीटें हैं. जिनके लिए 3959 आवेदन प्राप्त हुए हैं. लॉटरी में 863 बच्चों का चयन किया गया है और उन्हें एक एसएमएस भेजा गया है. लेकिन उसके बाद भी 10 मई तक के आंकड़ों के अनुसार जिले में 626 बच्चों के आवेदन की पुष्टि हुई है. लेकिन पूर्ण प्रवेश की पुष्टि नहीं की गई है. इसलिए शिक्षा विभाग की ओर से अंतिम समय सीमा 22 मई दी गई है. लेकिन इसके बाद वेंटिंग लिस्ट के बच्चों को मौका दिया जाएगा, ऐसे में कहा जा सकता है कि उनकी लॉटरी लग जाएगी.

नस व नाड़ी से विभिन्न बीमारियों का उपचार 18 से 20 मई तक

तीन दिवसीय शिविर गोंदिया डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित

बुलंद गोंदिया। गोंदिया डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन द्वारा मध्यप्रदेश के सीहोर ग्राम दोराहा निवासी भगवान सिंह कुशवाहा जिनके द्वारा बिना किसी दवा के नस वह नाड़ी थेरपी से विभिन्न रोगों का उपचार किया जाता है जिसके शिविर का आयोजन 18 से 20 मई 2023 तक सुबह 10:00 से 1:00 बजे तक अग्रेसन भवन गोंदिया में आयोजित किया गया है। गौरतलब भारत में विभिन्न पद्धतियों से उपचार किया जाता है जिसमें मध्य प्रदेश के जिला सीहोर ग्राम दोराहा निवासी भगवान सिंह कुशवाहा द्वारा बिना किसी दवा के नस और नाड़ी के संतुलन को बनाकर बिना किसी दवा के मरीज का उपचार किया जाता है जिससे मरीज को बीमारियों से राहत मिलती है।

इसका लाभ गोंदिया वासियों को प्राप्त हो इसलिए गोंदिया डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन द्वारा भगवान सिंह कुशवाहा का तीन दिवसीय उपचार शिविर 18 से 20 मई 2023 तक गोंदिया के अग्रेसन भवन में आयोजित किया गया है। उपरोक्त उपचार पद्धति में किसी किसी भी प्रकार की दवाई नहीं

दी जाती, मरीज को किसी भी प्रकार की मेडिकल रिपोर्ट नहीं दिखाना है, कोई मेडिकल टेस्ट नहीं कराना है। शिविर में दवाई नहीं बेची जाती, प्रक्रिया में झाड़ू-फूंक तंत्र-मंत्र पर आधारित नहीं है। इस उपचार प्रक्रिया में मरीज को पेट के बल लेटाकर पीठ पर हल्का दबाव देकर नस व नाड़ी को व्यवस्थित कर रक्त प्रवाह को नियंत्रित किया जाता है। यह उपचार प्रक्रिया लगभग 1 से 2 मिनट की होती है हालांकि इसमें बीमारी के अनुसार मरीज को लाभ मिलने में समय कम हो ज्यादा लग सकता है। जिसके चलते मरीज को उपचार के समय इसकी संपूर्ण जानकारी लेना आवश्यक है। शिविर में अधिक से अधिक संख्या में नागरिक शामिल होकर अपने इस अनूठी उपचार पद्धति से उपचार कराने का आवाहन एसोसिएशन द्वारा किया गया है। शिविर में प्रवेश पत्र हेतु रमेश शर्मा शर्मा मेडिकल गोंदिया, अविनाश बजाज ,अरविंद बजाज बजाज नगर फूलचूर, पदम बजाज सपना टूरिस्ट गोंदिया, अमर गांधी रेलटोली से संपर्क किया जा सकता है।

संविदा नर्सज एसो. का जिप के आगे धरना प्रदर्शन

बुलंद गोंदिया

महाराष्ट्र राज्य स्वास्थ्य विभाग संविदा नर्स यूनिशन आयटक महाराष्ट्र के आह्वान पर 17 मई को जिले की संविदा नर्सों ने जिला परिषद कार्यालय के आगे एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन किया. आंदोलन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष हौसलाल रहांगडाले, जिला सचिव स्वप्नाली ठवकर, कोषाध्यक्ष बबिता रहांगडाले, भूमेश्वरी येरणे, माधुरी बंसोड़, मीना पेंदाम, अर्चना चौधरी, हेमलता कट्टे, कल्याणी चौधरी, मंजू बिलोने, प्रमिला कट्टे, ईश्वरी रहांगडाले, आयटक जिला सचिव रामचंद्र पाटिल ने किया. प्रदर्शन संविदा



एएनएम, जीएनएम को सरकारी सेवा में शामिल किया जाए, नहीं तो हाईकोर्ट औरंगाबाद की रिट याचिका पर 20 जून 2022 को आदेश और 20 मार्च 2023 को स्वास्थ्य मंत्री के कक्ष में हुई बैठक के निर्णय को शीघ्र लागू किया जाए. आंदोलन के बाद जिलाधीश व जिला स्वास्थ्य अधिकारी को मांगों का ज्ञापन सौंपा गया.

2 भीषण दुर्घटना एक मासूम सहित पांच की मौत

» गोंदिया कोहमारा मार्ग पर कार की आमने-सामने की टक्कर

» नेशनल हाईवे पर देवपाली के समीप ट्रेलर ने दुपहिया सवारों को कुचला

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के महामार्ग पर घटित अलग-अलग भीषण दुर्घटनाओं में 1 वर्षीय मासूम सहित 5 लोगों की मौत हो गई। पहला मामला गोंदिया कोहमारा मार्ग पर डब्बा के समीप दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में एक मासूम सहित वाहन चालक व नेशनल हाईवे पर देवपाली ग्राम के समीप ट्रेलर ने दुपहिया सवारों को कुचला जिसमें 3 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया कोहमारा मार्ग पर ग्राम डब्बा के समीप 14 मई की रात 9:30 के दौरान दुर्घटना घटित हुई जिसमें 2 कार की आमने सामने की भीषण टक्कर में कोहमारा निवासी रंजीत विक्की उड्डेक उम्र 1 वर्ष व दूसरी कार के चालक अर्जुनी मोरगांव निवासी विजय लेखराम ताम्रकार उम्र 40 वर्ष की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं इस दुर्घटना में कोहमारा निवासी यशपाल कुशाल मडावी व राजन मनोज गजभिए तथा एक महिला गंभीर रूप से जखमी हो गई। उपरोक्त मामले में डुंगीपार पुलिस द्वारा दुर्घटना का मामला



दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार अर्जुनी मोरगांव निवासी विजय ताम्रकार गोंदिया के जिलाधिकारी कार्यालय में वाहन चालक पद पर कार्यरत था तथा विजय अपनी इंडिका क्रमांक सीजी 04 एचडी 6424 से से अर्जुनी मोरगांव से गोंदिया की ओर आ रहा था इसी दौरान गोंदिया से एक कोहमारा की ओर जा रहे इंडिका कार क्रमांक एम एच 35 पी 5002 के साथ आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही एम एच 35 पी 5002 में सवार 1 वर्षीय बालक रंजित की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं विजय ताम्रकार की उपचार के दौरान मौत हो गई।

दूसरा मामला 15 मई की दोपहर 4:00 बजे के

वेतन को लेकर शिक्षकों ने शिक्षणाधिकारी को सौंपा निवेदन

गोंदिया-मई माह की 10 तारीख आने के बाद भी शिक्षकों का मार्च माह का वेतन नहीं हुआ है। महाराष्ट्र शासन द्वारा 1 तारीख को वेतन देने का स्पष्ट आदेश होने के बाद दो-दो माह विलंब से वेतन हो रहा है। इस समस्या के कारण शिक्षकों को विविध आर्थिक समस्या से जुझना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर जनता शिक्षक महासंघ ने शिक्षाधिकारी महेंद्र गजभिये को निवेदन सौंपा। शिक्षा विभाग हमेशा पैसे नहीं होने का बताता है जिसका परिणाम जिले के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को

भुगतना पड़ता है। जिले के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारियों में से 90 प्रतिशत शिक्षकों ने बैंक से कर्ज लिया है। जिसका ब्याज भी हजारों रुपए होता है। इसका जिम्मेदार कौन, यह सवाल संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इस समय जनता शिक्षक महासंघ के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण आंधड़े, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष किशोर बावनकर, राज्य सदस्य अरुण पारधी, मार्गदर्शक सतीश मंत्री, विजय



पारधी, जगदीश बिसेन, उपाध्यक्ष गोपीनाथ टुले, मधुकर बुरडे, शरद बोर्डे, प्रकाश घुगे, लोकनाथ तितराम, दीपक कापसे, नंदू भोयर, अमोल खंडाते उपस्थित थे।

चंद्रपुर-गडचिरोली के वनराज से नवेगांव-नागझिरा टायगर रिजर्व में बढ़ेगा बाघों का कुनबा

बुलंद गोंदिया। नवेगांव-नागझिरा टायगर रिजर्व बाघों के लिए जन्नत बनते जा रहा है। पहले से ही 11 बाघों का अधिवास है अब से चंद्रपुर-गडचिरोली के जंगलों से दो वनराजों को इस टायगर रिजर्व में छोड़ा जाएगा। जिसकी पूर्ण तैयारी हो चुकी है। इन दो बाघों का समावेश हो जाने से नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य में बाघों की संख्या 13 तक पहुंच जाएगी व उनके कुनबे में बढ़ोतरी होगी। गौरतलब है कि नवेगांव-नागझिरा टायगर रिजर्व में प्रति वर्ष बाघों की संख्या बढ़ रही है। यहां तक कि इस अभयारण्य में ब्लैक लेपर्ड भी पाया गया था जो बहुत ही दुर्लभ वन्यजीव की प्रजाति में आता है। प्रति वर्ष हजारों की संख्या में पर्यटक बाघों के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं। अनेक माह से



प्रक्रिया चल रही थी कि इस अभयारण्य में दो बाघों को छोड़ा जाएगा। इसके लिए चंद्रपुर व गडचिरोली जिले में अधिवास करने वाले दो बाघों को सुरक्षित पकड़ने की योजना तैयार की गई। जिस पर भारतीय वन्यजीव संस्था देहरादुन की विशेष टीम की निगरानी में गडचिरोली-चंद्रपुर जंगलों में अधिवास करने वाले दो बाघों को सुरक्षित पकड़ लिया गया है। बताया गया है कि इन दोनों बाघों को नवेगांव-नागझिरा टायगर रिजर्व में अधिवास के लिए छोड़ा जाएगा। इस संदर्भ में जब नवेगांव-

नागझिरा टायगर रिजर्व के अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी ली गई तो बताया गया कि जल्द ही इस प्रक्रिया को पुरा किया जाएगा। जिसकी अधिकृत जानकारी पत्र के माध्यम से दी जाएगी।

बाघों को छोड़ा जाएगा लेकिन तारीख निश्चित नहीं

नवेगांव-नागझिरा टायगर रिजर्व में चंद्रपुर-गडचिरोली जिले में अधिवास करने वाले दो बाघों को लाने की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही थी। जल्द ही दो बाघों को इस अभयारण्य में छोड़ा जाएगा। हालांकि इसकी तारीख निश्चित नहीं की गई है लेकिन आगामी सप्ताह बाघ छोड़े जाने की प्रबल संभावना है।

प्रदीप पाटील,
सहायक वन संरक्षक,
नागझिरा अभयारण्य

गर्रा में खरीफ के मौसम पूर्व तैयारी को लेकर हुई बैठक

गोंदिया-तहसील के ग्राम पंचायत गर्रा में खरीफ मौसम पूर्व तैयारी को लेकर सभा आयोजित की गई। इस समय पंचस सदस्य



दिहारी, सरपंच कुलदीप पटले, आशीष मिश्रा उपस्थित थे। इस दौरान मंडल कृषि अधिकारी राजेश पवार ने बीज प्रक्रिया, उपजाऊ क्षमता, फसल बीमा, रोगार गारंटी योजना अंतर्गत फलबाग, नाडेप यूनिट, केंचुआ खाद यूनिट, भाऊसाहब पुंडकर फलबाग योजना, गोपीनाथ मुंडे दुर्घटना बीमा योजना के साथ ही विविध कृषि योजनाओं की जानकारी दी। कृषि पर्यवेक्षक जितेंद्र मेंडे ने पौष्टिक अनाज का महत्व, धान फसल पर लगनेवाले रोग व नियंत्रण, पट्टा पद्धति, श्री पद्धति, धान बीज प्रक्रिया, यूरिया ब्रिकेट का महत्व व उपयोग, निंबोली अर्क तैयार करने, जीवाणु खाद व जैविक कीटनाशक आदि पर मार्गदर्शन किया। कृषि सहायक रोशन लिलहारे ने बीज प्रक्रिया पर प्रात्यक्षिक कर दिखाया। प्राप सदस्य गमचंद तुरकर ने रासायनिक खाद का उपयोग कर खेती करने की बात कही।

नवेगाँवबांध बाघों के कोर जोन में वन गजराज का प्रवेश

हाथियों के झुंड पर पश्चिम बंगाल का दल कर रहा निगरानी

बुलंद गोंदिया। विगत वर्ष से गोंदिया जिले में जंगली हाथियों का झुंड दिखाई दे रहा है। हाथियों ने किसान तथा वन व वन्यजीव विभाग को करोड़ों रूपए का नुकसान पहुंचाया है। अब इस वर्ष हाथियों ने नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य के बाघों के कोर जोन में प्रवेश कर लिया है। इन हाथियों पर नियंत्रण करने के लिए पश्चिम बंगाल की टीम की मदद ली जा रही है। विशेष उल्लेखनीय यह भी है कि हाथी ऐसा प्राणी है कि जो बहुत ही शांत स्वभाव का होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में व्याघ्र प्रकल्प में हाथियों का बसेरा रहता था। हाथियों की सूंड को नाग के नाम से जाना जाता है इसलिए इस अभयारण्य का नाम नागझिरा रखा गया है। लेकिन अब हाथियों का बसेरा नहीं है। इस अभयारण्य में बाघ, तेंदुआ बायसन, भालू, पेंगोलिन, चितल, सांभर, नील गाय जैसे विभिन्न वन्यजीव विचरण करते हैं। लेकिन पिछले वर्ष से गडचिरोली सीमा को लांघते हुए गोंदिया के जंगलों में जंगली हाथियों के झुंड ने प्रवेश कर लिया है। इन हाथियों ने किसान तथा वन विभाग को नुकसान पहुंचाया है। नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प के संचालक द्वारा जानकारी दी गई कि हाथियों का लोकेशन कोर जोन में दिखाई दे रहा है। हाथी ऐसा प्राणी है कि जिसका स्वभाव बहुत ही शांत होता है। इन हाथियों पर नियंत्रण पाने के लिए पश्चिम बंगाल की एक विशेष टीम को तैनात कर दिया



गया है। इस टीम के माध्यम से हाथियों के झुंड पर निगरानी रखी जा रही है।

40 किमी. की रफ्तार से दौड़ता है हाथी

इस संदर्भ में वन्यजीव विभाग तथा विशेषज्ञों की ओर से जानकारी दी गई कि हाथी शांत स्वभाव का प्राणी है। हाथी के वजन को देखते हुए ऐसा आकलन लगाया जाता है कि हाथी ज्यादा देर तक दौड़ नहीं सकता। लेकिन जब हाथी गुस्सा आने पर प्रति घंटा 40 किमी. की रफ्तार से दौड़ता है।

तकनीकी उपकरणों से निगरानी

वर्तमान में जिले के कोर जोन में हाथियों का लोकेशन मिल रहा है। तकनीकी उपकरणों के माध्यम से हाथियों का लोकेशन पता किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की विशेष टीम के माध्यम से हाथियों पर निगरानी रखी जा रही है।

पवन जेफ, उपसंचालक,

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प, गोंदिया।

बाजार के कचरे से बनगांववासियों का स्वास्थ्य खतरे में

आमगांव-स्थानीय कृषि उत्पन्न बाजार समिति के मैदान में स्थित बाजार के कचरे को ठिकाने नहीं लगाए जाने के कारण बनगांववासियों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है। इस संदर्भ में बार-बार शिकायत किए जाने की बावजूद प्रशासन की ओर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। परिसर में गंदगी का साम्राज्य फैला होने से दुर्गंध के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य का सवाल निर्माण हो गया है। आमगांव स्थित कृषि उत्पन्न बाजार समिति

का परिसर काफी बड़ा है। इसी परिसर में दुकानें लगी हुई हैं। अनेक दुकानों से निकलनेवाला कचरा राइस मिल के पीछे फेंका जाता है। दुकानों से निकलनेवाले कचरे को उचित तरीके से नष्ट नहीं किए जाने के कारण परिसर में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। ऐसे में परिसर में निवास करनेवाले नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है। नागरिकों ने इस कचरे - का उचित प्रबंधन करने की मांग प्रशासन से की है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वाई, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वाई, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।